Class – B.A-2 (Subsidiary)

Name of the Guest Teacher – Khushbu Kumari, dept. of Political science, N.S.J. College, Rajnagar, Lnmu

Topic – ब्रिटिश लार्ड सभा
(रचना, कार्य तथा शक्तियां)

ब्रिटिश संसद का अर्थ सम्राट सहित लोकसदन और लॉर्ड सभा है। लोकसदन ब्रिटिश संसद का प्रथम और लार्ड सभा द्वितीय सदन है। लार्ड सभा को इंगलैण्ड की लोकतंत्रात्मक प्रणाली में एक कुलीनतन्त्रीय संस्था कहा जा सकता है, क्योंकि इसकी सदस्यता का प्रमुख आधार वंशागत है। 19वीं सदी के अन्त तक ब्रिटिश राजनीति में लॉर्ड सभा को लोकसदन से अधिक महत्वपूर्ण स्थान प्राप्त था, किन्तु अब स्थिति परिवर्तित हो गयी है और लार्ड सभा न केवल द्वितीय वरन् द्वितीय महत्व का सदन हो गयी है।

लॉर्ड सभा की रचना :–

लॉर्ड सभा की सदस्य संख्या निश्चित नहीं है क्योंकि इसमें सम्राट प्रधानमंत्री की सिफारिश पर जितने नये सदस्य आवश्यक समझे नियुक्त कर सकता है। अवकाश प्राप्त प्रधानमंत्रियों, लोकसदन के अवकाश प्राप्त अध्यक्ष, अवकाश प्राप्त सेनापति और वायसराय, उच्चकोर्ट के न्यायधीशों और साहित्य, विज्ञान तथा कला में प्रसिद्धि प्राप्त व्यक्तियों को ही सामान्यतया प्रधानमंत्री की सिफारिश पर सम्राट द्वारा सदस्यता प्रदान की जाती है। मई, 1999 में इसकी सदस्य संख्या लगभग 1200 थी,

Scanned with CamScanner

Page No.
Date

जिनमें 26 आध्यात्मिक लार्ड थे और शेष सभी लौकिक लार्ड। लार्ड सभा के सदस्य निम्न 6 प्रकार के हैं —

1. राजवंश के राजकुमार
2. वंश परम्परागत पियर
3. स्काटलैण्ड के प्रतिनिधि पियर,
4. आजीवन पियर
5. कानून के लार्ड तथा
6. आध्यात्मिक लॉर्ड।

कार्य तथा शक्तियां

1. विधायी शक्तियां — वित्त विधेयक के अतिरिक्त अन्य सभी विधेयक ब्रिटिश संसद के किसी भी सदन में प्रस्तावित किये जा सकते हैं किन्तु विधेयकों के सम्बन्ध में अन्तिम निर्णय की शक्ति लोकसदन को ही प्राप्त है सन 1911 और 1949 के अधिनियम पारित होने के बाद अब स्थिति यह है कि लॉर्ड सभा अवित्तीय विधेयक को एक बार अस्वीकार कर उसे एक वर्ष के लिए कानून बनने से रोक सकती है यदि लॉर्ड सभा द्वारा अस्वीकृत विधेयक को लोकसदन दुबारा पारित कर दे और इस बीच एक वर्ष का समय व्यतीत हो गया हो तो वह विधेयक राजा की स्वीकृति के बाद कानून बन जाता है चाहे लार्ड सभा ने उसे स्वीकार किया हो या न किया हो।

Scanned with CamScanner

इस प्रकार लॉर्ड सभा विधेयकों को प्रस्तावित करने, एक वर्ष की अवधि के लिए उन्हें रोके रखने और अपने विचारों के आधार पर सरकार तथा जनता को प्रभावित करने का कार्य करती है। व्यवहार में लॉर्ड सभा के द्वारा अपनी देर लगाने की शक्ति, का 1911 के बाद बहुत कम प्रयोग किया गया है।

(2) वित्तीय शक्तियां — वित्तीय क्षेत्र में लॉर्ड सभा की स्थिति लोकसदन की तुलना में बहुत निर्बल है। वित्तीय विधेयक न तो पहले लॉर्ड सभा में प्रस्तावित किये जा सकते हैं और न ही लॉर्ड सभा विचार करने की प्रक्रिया में उन्हें अनिश्चित काल तक रोके रख सकती है। यह वित्त विधेयक को केवल एक माह तक रोके रखने का कार्य कर सकती है।

(3) कार्यपालिका शक्तियां — ब्रिटिश मंत्रिमण्डल के लगभग 4 सदस्य लॉर्ड सभा में से लिये जाते हैं और लॉर्ड सभा का अध्यक्ष, जिसे लॉर्ड चान्सलर कहते हैं आवश्यक रूप से ब्रिटिश मंत्रिमण्डल का सदस्य होता है। लोकसदन की तरह लॉर्ड सभा को भी अधिकार है कि मंत्रिमण्डल के सदस्यों से प्रश्न पूछकर प्रशासनिक विषयों के सम्बन्ध में सूचनाएं प्राप्त कर सके। वह शासन की नीतियों तथा कार्यों पर खुला वाद-विवाद तथा आलोचना भी कर सकती है।

Scanned with CamScanner

Page No. ________
Date ________

(5) न्यायिक शक्तियां — लॉर्ड सभा को न्याय के क्षेत्र में भी कुछ शक्तियां प्राप्त हैं। इसके द्वारा ग्रेट ब्रिटेन और उत्तरी आयरलैण्ड के लिए अपील के उच्चतम न्यायालय के रूप में कार्य किया जाता है। लॉर्ड सभा जब अपील के न्यायालय के रूप में कार्य करती है तब उसके सब सदस्य कार्यवाही में भाग नहीं लेते, वरन् उस समय 9 कानूनी लार्ड तथा अन्य न्यायिक विशेषज्ञ लार्ड चान्सलर की अध्यक्षता में न्याय समिति के रूप में कार्य करते हैं। लार्ड सभा का निर्णय अन्तिम होता है जिसे संसद कानून द्वारा ही बदल सकती है, इसमें कोई न्यायालय परिवर्तन नहीं कर सकता।

Scanned with CamScanner